

प्राथिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

10/3/72-1-

सं 0 7]

No. 7]

नई विस्ली, शनिवार, फरवरी 12, 1972/माध 23, 1893 NEW DELHI, SATURDAY, FEBRUARY 12, 1972/MAGHA 23, 1893

इस भाग में भिन्न पृथ्ट संख्या दी जाती है जिससे कि यह ग्रलग संकलन के रूप में रखा जा सड़े। Separate paging is given to this part in order that it may be filed as a separate compilation

भाग ∐——खंड 4

PART II--Section 4

रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी किए गये विभिक्त नियम और ब्राहेश Statutory Rules and Orders issued by the Ministry of Defence

MINISTRY OF DEFENCE

New Delhi, the 24th January 1972

- S.R.O. 34.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules regulating the method of recruitment to the post of Telephone Operators in the Corps of Electrical and Mechanical Engineers, namely:—
- 1. Short title and commencement.—(1) These rules may be called the Corps of Electrical and Mechanical Engineers (Telephone Operators) Recruitment Rules, 1972.
- (2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.
- 2. Application.—These rules shall apply to the post specified in column 1 of the Schedule hereto annexed,
- 3. Number of post, classification and Scales of pay.— The number of post, its classification and the scale of pay attached thereto shall be as specified in columns 2 to 4 of the said Schedule.
- 4. Method of recruitment, age limit and other qualifications.—The method of recruitment, age limit, qualifications and other matters connected therewith shall be as specified in columns 5 to 13 of the Schedule aforesaid:

Provided that the upper age-limit specified for direct recruitment may be relaxed in the case of the Scheduled Castes, the Scheduled Tribes and other special categories of persons in accordance with the orders of the Central Government issued from time to time.

5. Disqualification.—No person.

- (a) Who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living, or
- (b) Who, having a spouse living, has entered into or contracted a marriage with any person,

shall be eligible for appointment to the said post:

Provided that the Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage and that there are other grounds for so doing, exempt any person from the operation of this rule.

6. Power to relax.—Where the Central Government is of opinion that it is necessary or expedient so to do, it may, by order, for reasons to be recorded in writing, relax any of the provisions of these rules with respect to any class or category or person.

Schedule

Name of the Post	No of posts	Classification	Scale of Pay	Whether selection post or Non- Selection post	Age limit for direct recruits		onal & other qualification ired for direct recruits
I	2	3	4	5	6		7
elephone Operators	36	Civilians F in Defence Services Class III, Non- Gazetted Non- Ministerial	Rs 110—4—150—5 175—EB—6—205— EB—7—240 (For those wher working hours a similar to those of P & T).	– Applicable e re	25 years, and below	v. (2) Shou PBX ·	riculation or equivalent ald be able to operate o awitch Board of 50 line endently.
		F	or others:				
		R	110—3—131—4- 155—EB—4—175- 5—180	-			
						G - DDG	
Whether age Period of Educational probations if any rescribed for irect recruits will apply in the age of promotees	on direct rect transfer as	t. or by promo	ther by In case on tion or transfer, of the promotion various	Grades from	which e	f a DPC xlsts hat is its composi- ion	Circumstances in whic U.P.S.C. is to be con sulted in making recrui ment
-, 							

grade in lower formations of Defence Services.

रक्षा मंत्रालय

नई दिल्ली, 24 जनवरी, 1972

का० नि० ग्रा० 34.—राष्ट्रवित, संविधान के श्रनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, वैद्युत तथा यांत्रिकी इंजीनियरों के कोर में टेलीफोन श्रापरेटरों के पद पर भर्ती की पद्धति का विनिधमन करने के लिए निम्नलिखित नियम एतद्द्वारा बनाते हैं श्रर्थात्:—

- संक्षिप्त नाम श्रीर प्रारम्भ (1) इन नियमों का नाम वैद्युत तथा यांतिकी इंजीनियरों का कोर (टेलीफोन ग्रापरेटर) भर्ती नियम, 1972 होगा।
 - (2) ये राजपत्न में प्रकाणन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।
- श्लागू होनाः -- ये नियम इससे उपाबद्ध ग्रतुसूची के स्तम्भ
 में विनिदिष्ट पद को लागू होंगे ।
- 3. पद-संख्या वर्गीकरण ग्रीर वेतमान.—पद की संख्या, उसका वर्गीकरण श्रीर उससे संलग्न वेतनमान थे होंगे, जो उक्त श्रनुसूची के स्तम्भ 2 से 4 तक में विनिर्दिष्ट हैं।
- 4. भर्ती की पद्धित, आयु-सीमा और क्रम्य झहेंताएं.— भर्ती की पद्धित, आयु-सीमा, श्रहेंताएं, श्रीर उससे सम्बन्धित अन्य बातें वे होंगी, जो पूर्वोक्त अनुसूची के स्तम्भ 5 से 13 तक में वि-निर्दिष्ट हैं:

परन्तु सीधे भर्ती के लिए विनिर्दिष्ट अतिकतम आयु-सीमा, समय समय पर निकाले गए केन्द्रीय सरकार के आदेशों के अनुसार अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और व्यक्तियों के अन् विशेष प्रवर्गों के मामले में शिथिल की जा सकेगी।

- 5. **निहैताएं.--**वह व्यक्ति,
 - (क) जिसने ऐसे व्यक्ति से जिसका पति या जिसकी पत्नी जीवित है, विवाह किया है, या
 - (ख) जिसने ग्रपने पति या श्रपनी पत्नी के जीवित होते हुए जिसी व्यक्ति से विवाह किया है,

उक्त पद पर नियुक्ति के लिए पान्न नहीं हं गा :

परन्तु यदि केन्द्रीय सरकार का समाधान हो जाए कि ऐसा विवाह ऐसे व्यक्ति श्रीर विवाह के श्रन्य पक्षकार को लागू स्वीय विधि के श्रधीन श्रनुज्ञेय है श्रीर ऐसा करने के श्रन्य श्राधार मौजूद हैंतो वह किसी व्यक्ति को इस नियम के प्रवर्तन से छूट दे सकेगी।

6. शिथिल करने की शिवत.—अहां केन्द्रीय सरकार की राय हो कि ऐसा करना श्रावश्यक या समीचीन है, उसके लिए जो कारण है उन्हें ूलेखबढ़ करके, इन नियमों के किसी उपबन्ध को किसी वर्गया प्रवर्गया व्यक्तियों की बाबत, श्रादेण द्वारा, शिथिल कर सकेगी।

धनुसूची बैद्युत तथा यांत्रिकी इंजीनियरों के कोर में टैलीफोन ग्रापरेटर के पद के लिए भर्ती नियम

पद का नाम	पदों की संख्या	वर्गीकरण	वेतनमान	चयन पद श्रथवा श्रचयन पद	सीघ्रे भर्सी किए जाने वाले ध्यक्तियों के लिए श्रायु- सीमा		
1	2	3	4	5	6		
टेलीफोन ग्रापरेटर	36	लियन वर्ग 3,श्रराज- पत्नित, श्रननुसचिवीय	110-4-150-5-175-द० रो०-6-205-द०रो०-7- 240 र० (उनके लिए जहां काम के घंटे डाक और तार के कर्मचारियों के समरूप हैं) 110-3-131-4-155-द० रो०-4-175-5-180 र०	लागू नहीं होता	25 वर्ष ग्रौर उससे कम		

सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए विहित सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए भ्रपे-परिवोक्षा की श्रवधि, यदि कोई हो मायु भौर शैक्षिक मईताएं प्रोप्ततों की दशा में क्षित शैक्षिक भीर अन्य महुताएं लागु होगी या नहीं 7 लागु नहीं होता मैद्रिकुलेशन या समतुख्य 2 वर्ष 2) स्वतंत्र रूप से 50 लाइनों के पी वी एक्स स्विच बोर्ड के प्रचालन करने की योग्यता होनी चाहिए। भर्ती की पद्धति/भर्ती सीधे होगी या प्रोन्नति/प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण द्वारा यदि विभागीय प्रोन्नति समिति भर्ती करने में किन परि-प्रोन्नति द्वारा या प्रतिनियुक्ति/स्थाना-भर्ती की दशा में वे श्रेणियां जिनसे प्रो-है तो उसकी संरचना स्थितियों में संघ लोक सेवा न्तरण द्वारा तथा विभिन्न पवुष्ठतियों **भ्र**ति/प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण किया श्रायोग से परामर्श किया द्वारा भरी जाने, बाली रिक्तियों का जाएगा जाएगा । प्रतिशत 10 11 12 13 स्थानान्तरणद्वारा जिसकेन होने स्थाना:सरण लागू नहीं होता लागु नहीं होता रक्षा सेबाओं के निम्न निर्माणों में समरूप पर सीधी भर्ती द्वारा । या समतुल्य या उच्चतर श्रेणी में काम करने वाले व्यक्तियों में से ।

वी० ए० वलियपरमपिल, ग्रवर सचिव।

New Delhi, the 24th January 1972

S.R.O. 35.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby rescinds the Ministry of Defence, Armed Forces Headquarters and Inter-Service Organisations Class III (Non-Gazetted Ministerial) posts Recruitment Rules, 1965, published with the notification of the Government of India in the Ministry of Defence No. S.R.O. 10, dated the 31st December, 1964.

[File No. 68034/CAO/R&R-I.]D. J. BARAT, Asstt. C.A.O.

नई दिल्ली, 24 जनवरी, 1972

का० वि० ग्रा० 35.—राष्ट्रपति, संविधान के ग्रनुष्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, भारत सरकार के रक्षा मंद्रालय का प्रधिसूचना सं० का० नि० ग्रा० 10, तारीख 31 दिसम्बर, 1964 के साथ प्रकाशित रक्षा मंद्रालय, सशस्त्र बल मुख्यालय ग्रीर श्रन्तर सेवा संगठन वर्ग III (ग्रराजपित, श्रनुसचिवीय) पद भर्ती नियम, 1965 को एतद्द्वारा विखण्डित करते हैं।

[सं० फा० 68034/सी ए भ्रो/ ग्रार ग्रीर श्रार-1] डी० जे० बरात, सहायक मुख्य प्रणासन श्रधिकारी।

New Delhi, the 25th January 1972

- S.R.O. 36.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules to amend the Defence Research and Development and Inspection Organisations (Assistant Administrative Officers) Recruitment Rules, 1969, namely:—
- 1. (1) These rules may be called the Defence Research and Development and Inspection Organisations (Assistant Administrative Officers) Recruitment Amendment Rules 1971.
- (2) They shall come into force on the date of their publication in the official Gazette.
- 2. In the Defence Research and Development and Inspection Organisations (Assistant Administrative Officers) Recruitment Rules, 1969 (hereinafter referred to as the "said rules"), in the preamble for the words "Assistant Administrative Officer in the Defence Research and Development and Inspection Organisations", the words "Administrative Officer in the Defence, Research and Development and Defence Inspection and Directorate of Technical Development and Production (Air) Organisations in the Ministry of Defence" shall be substituted.
- 3. In the said rules, for sub-rule (i) of rule 1, the following rule shall be substituted, namely:—
 - "(i) These rules my be called the Defence Research and Development Organisation and Defence Inspection and Directorate of Technical Development and Production (Air) Organisations in the Ministry of Defence (Administrative Officers) Recruitment Rules, 1971".

For the sche	dule to the	said rules,	the following	Schedu	Me shall be SCHEDUL		tituted, na	mely:—			
Name of	posts	No. of posts	Classification	Scal	e of Pay	i	Whether selection post or Non-Selection post	Age limit for direct rect!		and other que I for direct r	
ı		2	3		4	 	5	6		7	
Administrative C	Officer	69	Civilain in Defence Services Class II, Gazetted (Ministerial)	Rs. 350 300-8		o—EB	Selection	Not exceeding 35 years (Relaxable for Govt. Servants)	(i) Degree versity fication (ii) Know rules a (iii) About Admin establish vernment (Qualification mission	rledge of Go and regulation 5 years expe- istrative, accomment work ant Organisational concerna- tions relaxable 's discretion ididates othe	overnment overnment is. rience of ounts and in a Go- ion or a of repute e at Com- in the case
Wether age and educational qualifications prescribed for direct recruits will apply in the case of promotees.	Period of probation if any	direct rectt transfer a vacancies t	of reett. whether or by promote nd percentage to be filled by methods.	ion or to	ran sfer gr	ades fi	t. by pron om which made.	promos o		ircumstances which UPSC sulsulted rectt.	
8	9	ю		II				12	13		
No.	2 years	By promo By direct	tion—50% recruitment—	50 %	1. Office S years service in after app regular to a written		con: the Superintendent with 3 service in the grade rendered after appointment thereto regular basis 90%. The superintendent with 3 years to in the grade rendered appointment thereto on a lar basis subject to passing the departmental examination and interview—10%.		-		lic Servica n (Exemp Consults

नई दिल्ली, 25 जनवरी, 1972

का० नि० मा० 36.—राष्ट्रपति, संविधान के म्रनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त णिक्तयों का प्रयोग करते हुए, रक्षा म्रनुसंधान तथा विकास तथा निरीक्षण संगठन (सहायक प्रशास-निक म्रधिकारी) भर्ती नियम, 1969 का संगोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम एनवृद्वारा बनात हैं, म्रर्थात्:—

- (1) इन नियमों का नाम रक्षा भ्रनुसंधान तथा विकास नथा निर्देक्षण संगठन (सहायक प्रशासनिक श्रधिकारी)भर्ती संगोधन नियम, 1971 होगा।
 - (2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।
- रक्षा श्रनुसंधान तथा विकास तथा ॄिनिरीक्षण संगठन (सहायक प्रणासनिक श्रधिकारी) भर्ती नियम, 1969 में (जिसे इसमें इसके पण्चात् (''उक्त नियम'' कहा गया है) उद्देशिका में ''रक्षा श्रनुसंधान तथा विकास तथा निरीक्षण संगठनों में सहायक

(श्रन्यथा सुन्नहित श्रभ्यांथयों की दशा में श्रायोग के विवेक पर श्रहुंताएं शिथिलनीय) प्रशासनिक अधिकारी" शब्दों के स्थान पर "रक्षा मंत्रालय में, रक्षा, प्रनुसंधान तथा विकास तथा रक्षा निरीक्षण और तकनीकी विकास का निदेशालय और उत्पादन (वायु), संगठनों में प्रशास-निक अधिकारी" शब्द प्रतिस्थापित किए जाएंगे।

- 3. उक्त नियम में, नियम 1 के उपनियम (1) के स्थान पर निम्नलिखित नियम प्रतिस्थापित किया जाएगा, श्रर्थातृ :--
- (1) इन नियमों का नाम रक्षा मंत्रालय में रक्षा अनुसंधान तथा विकास तथा रक्षा निरीक्षण श्रीर तकनीकी विकास का निदेशालय श्रीर उत्पादन (वायु) संगठन (प्रशामनिक अधिकारी) भर्ती, नियम, 1971 होगा ।
- 4. उक्त नियम की श्रनुसूची के स्थान पर निम्नलिखित श्रनुसूची प्रतिस्थापित का जायेगी, ऋर्थान् :---

श्रनुसूची पद का नाम पदों की संख्या वर्गीकरण वेतनमान चयन पद ग्रथवा सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्ति-भ्रचयन पद यों के लिए प्रायु-सीमा 3 5 प्रशासनिक ग्रीध-रक्षा सेवाधों में सि-35 वर्ष से भ्रन-69 350-25-500-द०रो०-30-चयन विलियन वर्ग II राज-धिक (सरकारी कारी 800 रु० सेवकों के लिए पत्नित (ग्रनुसचिवीय) शिथिलनीय) सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए विहित परिवीक्षा की प्रविध यदि कोई हो लिए श्रपेक्षित शैक्षिक श्रौर श्रन्य श्रहेताएं श्राय श्रौर शैक्षिक श्रहेताएं प्रोन्नतों की दशा में लागू होगी या नहीं 7 8 9 2 वर्ष नहीं (1) मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय की डिग्री या समतुल्य ग्रर्हता । (।।) सरकारी नियमों और विनियमों का ज्ञान । (।।।) सरकारी या भ्रर्द्ध सरकारी संगठन या ख्याति प्राप्त वाणिज्यिक समुत्थान में प्रशासनिक लेखाओं ग्रीर स्थापन कार्य का लगभग 5 वर्ष का प्रनुभव।

भर्ती की पद्धति/भर्ती सीधे होगी या प्रोन्नित द्वारा या प्रतिनियक्ति/स्थाना-न्तरण द्वारा तथा विभिन्न पद्धतियों द्वारा भरी जाने वाली रिक्तियों का प्रतिशक्त प्रोक्षित/प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण द्वारा भर्ती की दशा में वे श्रेणियां जिनसे प्रोन्नित/प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण किया जाएगा

यदि विभागीय प्रोन्नति समि-ति है तो उसकी संरचना भर्ती करने में किन परिस्थि-तियों में संघ लोक सेवा ग्रायोग से परामर्श किया जाएगा

10

11

12

13

50 प्रतिणत प्रोन्नित द्वारा 50 प्रतिणत सीधी भर्ती द्वारा

प्रोज्यति:

- कार्यालय श्रधीक्षक जिसने नियमित स्राधार पर उस पद पर नियुक्ति के पश्चात उस श्रेणी में 3 वर्ष सेवा की हो-90 प्रतिशत 1
- 2. निजी सहायक जिन्होंने विभागीय शिखित परीक्षा श्रौर साक्षात्कार के श्रधीन रहते हुए नियमित श्राधार पर उस पद पर नियुक्ति के परचात् उस श्रेणी में 3 वर्ष सेवा की हो— 10 प्रतितत

वर्गं II विभागीय प्रोन्नति संघलोक सेवा श्रायोग (परा-समिति। मर्ग से छूट) विनियम 1958 के श्रधीन यथा-

भ्रपेक्षित ।

नी० रा० बैनर्जो, ग्रवर सचिव ।

New Delhi, the 1st February 1972

S.R.O. 37.—In pursuance of sub section (7) of section 13 of the Cantonments Act, 1924 (2 of 1924), the Central Government hereby notifies that a vacancy has occurred in the membership of the Cantonment Board Dehu Road by reason of the acceptance by the Central Government of the resignation of Shri K. Nalinakshan Magistrate 1st Class.

[Fi]e No. 19/32/C/L&C/65/212-C/2/D(Q&C)]

नई दिल्ली, 1 फरवरी, 1972

का० नि० श्रा० 37: छावनी श्रधिनियम 1924 (1924 का 2) की धारा 13 की उपधारा (7) के श्रनुसरण में केन्द्रीय सरकार एतदद्वारा श्रधिसूचित करती है कि केन्द्रीय सरकार द्वारा श्री के० निलनाक्षन प्रथम वर्ग मिजस्ट्रेट, के त्याग-पन्न को स्वीकार कर लिए जाने के कारण छावनी बोर्ड देहू रोड़ की सदस्यता में एक रिक्ति हो गई है।

[फाइन सं० 19/32/सी/एल एंड सी/65/212-सी/1/डी(क्यू एंड सी)]

S.R.O. 38.—In pursuance of sub section (7) of section 13 of the Cantonments Act, 1924 (2 of 1924), the Central Government hereby notifies that Shri B. G. Rajput Magistrate 1st Class has been nominated as a member of the Cantonment Board Dehu Road by the District Magistrate Poona in exercise of the powers conferred under section 13(3)(b) of that Act vice Shri K. Nalinakshan Magistrate 1st Class resigned.

[File No. 19/32/C/L&C/65/212-C/2/D(Q&C)]

S. P. MADAN, Under Secy.

का० नि० झा० 38.—छावनी अधिनियम, 1924 (1924 का 2) की धारा 13 की उपधारा (7) के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा अधिसूचित करती हैं कि श्री बी० जी० राजरूत प्रथम वर्ग मजिस्ट्रेट को, उस अधिनियम की धारा 13 (3) (ख) के अधीन प्रदत्त णिक्तयों का प्रयोग करते हुए, जिला मजिस्ट्रेट पूना द्वारा श्री के० निलनाक्षन प्रथम वर्ग मजिस्ट्रेट जिन्होंने त्यागपत्र दे दिया है के स्थान पर छावनी बोर्ड, देहू रोड़, के सदस्य के रूप में नामनिर्देशित किया गया है।

[फाइल सं० 19/32/4ी/एल एंड सी/65/212-4ी/2/ डी (क्यू एन्ड सी)]

एस० पी० मदान, भ्रवर सचिव।

New Delhi, the 2nd February 1972

- S.R.O. 39,—In exercise of the powers conferred by section 14 of the Territorial Army Act, 1948 (56 of 1948), the Central Government hereby makes the following rules further to amend the Territorial Army Rules, 1948, namely:—
- 1. (1) These rules may be called the Territorial Army (First Amendment) Rules, 1972.
- (2) They shall be deemed to have come into force on the 1st September, 1971.

2. In the Territorial Army Rules, 1948, in Schedule III, in clause (b) of paragraph 1, for the expression "Rs. 5/-" the expression "Rs. 10/-" shall be substituted.

[Case No. 72165/175/GS/TA 3(a)/3070/D(GS-III)]
Min. of Fin(Def.) UO No. 3897/GS of 1971]
नई दिल्ली, 2 फरवरी, 1972

का० नि० न्ना० 39.—प्रगदेशिक सेना श्रिधिनियम 1948 (1948 का 56) की घारा 14 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, प्रादेशिक सेना नियम 1948 में और आगे संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम एतव्ह्वारा बनाती है, श्रर्थात :—

- 1. (1) इन नियमों का नाम प्रादेशिक सेना (प्रथम संशोधन) नियम, 1972 होगा ।
 - (2) ये 1 सितम्बर, 1971 को प्रवृत्त हुए समझे जायेंगे।
- 2. प्रादेशिक सेना नियम, 1948 में, प्रनुसूची III में पैरा 1 के खंड (ख) में, "5 रू०" पद के स्थान पर "10रू०" पद प्रति-स्थापित किया जायेगा ।

[किस सं० 72165/175/जो० एस० टी० ए०/3(ए)/3070/ डी(जो० एस०—III)

वित्त मंत्रालय (रक्षा) यु० ग्री० सं० 3897/जी० एस० ग्राफ 1971

- S.R.O. 40.—In exercise of the powers conferred by section 14 of the Territorial Army Act, 1948 (56 of 1948), the Central Government hereby makes the following rules further to amend the Territorial Army Rules, 1948, namely:—
- 1. These rules may be called the Territorial Army (Second Amendment) Rules, 1972.
- 2. In the Territorial Army Rules, 1948, for rule 11, the following rule shall be substituted, namely:—
 - "11. Period of enrolment.—Subject to the provisions of Part III of these rules, the period of enrolment as a member of the Territorial Army, in the case of every person who is accepted for such enrolment in the Territorial Army on or after the 1st day of January 1972, be seven years commencing on and from the date of his enrolment for service in the Territorial Army:

Provided that-

- (i) the service of any person in the Territorial Army as aforesaid may be extended with the consent of the individual by two years at a time or by such longer periods as may be specified in this behalf by the Director, Territorial Army, but the maximum period of service of any person in the Territorial Army shall not exceed fifteen years commencing on and from the date of his enrolment for such service;
- (ii) nothing contained in this rule shall apply to a person enrolled prior to the 1st day of January, 1972, except that such person shall not carry out reserve liability on expiry of his period of enrolment specified before the date aforesaid.

[Case No. 72165/196/GS/101/SO-II/D(GS-III) Min of Fin(Def.) Uo No. 81/GS 1 of 1972]

P. R. CHARI, Dy. Secy.

का० कि० था० 40.---प्रादेशिक सेना श्रिधिनियम, 1948 (1948 का 56) की धारा 14 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते करत हुए, केन्द्रीय सरकार, प्रादेशिक सेना नियम, 1948 में श्रीर श्रागे संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम एतद्द्वारा बनाती है श्रर्थात् :---

- 1. इन नियमों का नाम प्रादेशिक मेना (दितीय संशोधन) नियम, 1972 होगा ।
- 2. प्रादेशिक सेना नियम, 1948 में, ियम 11 के स्थान पर निम्नलिखित नियम प्रतिस्थापित किया जायेगा, श्रथांत्:——
 - "11. प्रभ्यावेशन की श्रवधि—इन नियमों के भाग

 III के उपबंधों के श्रधीन रहत हुए, प्रत्येक व्यक्ति
 के मामले में जिसे प्रादेशिक सेना में ऐसे श्रभ्यावेशन
 के लिए 1 जनवरी, 1972 को या उसके
 पश्चात् स्वीकृत, किया गया है, प्रादेशिक
 सेना के किसी सदस्य के रूप में श्रभ्यावेशन
 की श्रवधि प्रादेशिक सेना में सेवा के लिए उसके
 ग्रभ्यावेशन की तारीख को श्रौर से प्रारम्भ होकर
 7 वर्ष की होगी:

परन्तु--

- (1) यथा पूर्वोक्त प्रादेशिक सेना में किसी व्यक्ति की सेवा उस व्यक्ति की सम्मत्ति से किसी एक समय पर 2 वर्ष या ऐसी दीर्घतर प्रवधि तक, जो इस निर्मित निदेशक, प्रादेशिक सेना द्वारा विनिर्दिष्ट की जाए, विस्तारित की जा सकेगी, किन्तु प्रादेशिक सेना में किसी व्यक्ति की सेवा की प्रधिकतम प्रवधि, ऐसी सेवा के लिए उपके प्रभ्यावेशन की तारीख को ग्रौर से प्रारम्भ होकर 15 वर्ष से ग्रधिक नहीं होगी;
- (11) इस नियम में अन्तर्विष्ट कोई भी बात, 1 जनवरी, 1972, के पूर्व अध्याविशित किसी व्यक्ति को लागू नहीं होगी, उसके सिवाय, ऐसा व्यक्ति, पूर्वीक्त तारीख के पहले विनिर्दिष्ट अध्याविशन की अपनी अविध की समाप्ति पर रिजर्व-दायित्व का निर्वाह नहीं करेगा।"

[केस मं७ 72165/196/जीं० एस०/101/एस० ऋो०—II/डी (जी एस III)

वित्त मंत्रालय (व्क्षा)यु० श्रो० सं० ৪१/জी० एम० 1 श्राफ 1972] पी० श्राप० चारी, उप मचित्र ।